मक त्मर्या द्यालु, नहीं कोई होगा आ जो त्ने दिया मही करिशमा क्या होगा ये विधियाँ अ विधाता की शक्ति तो हूं असानी अपर भाव भिवत के हैं तेरी रानी का दूजा - नहीं कोई होगा जोत्ने दिया मक्र ---- मक्र तुमसा-शक्ति का नेरी जहाँ मानता न समझा तुझे में तो अंजान था मके तुमसा कृपालु, जहाँ में न होगा जो तूने दिया मही --- मही तुमसा इन्हा हुई कि ,तुरत सुनती आके अब तक, कई मैंने द्रवार झांके तेरी ममता, जैया नहीं कोई होगा जो दने दिया मही ---- मही तुमरा-वाउक समझ के दिसा त्न दे हो जिंड ज्ञान से महूँ उनभय दान दे दो इस पागल श्रीवावाशी र्या नहीं कोई होगा जो तुने दिया मुळ् --- मक्र तुमर्ग